स्वतंत्रता दिवस '99 के राष्ट्रीय पर्व पर
संस्थान के निदेशक डा० सौभाग्य मल सेठ के सम्बोधन का अंश

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के मेरे साथियों, उपस्थित अतिथिगण और प्यारे बच्चों !

पन्द्रह अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई देता हूँ। आज ही के दिन 52 वर्ष पूर्व 15 अगस्त 1947 को हमारे राष्ट्र ने स्वतंत्रता प्राप्त की थी। 26 जनवरी, 1950 को हमारे भारत को संपूर्ण प्रभुता संपन्न राष्ट्र घोषित किया गया था। यह सब अचानक ही नहीं हुआ था। इसमें तिलक, गोखले, गॉधी, सुभाष, पटेल, नेहरू जैसे महान नेताओं की अगुवाई में लाखों देश वासियों द्वारा किये गये बलिदानों, तथा 1857 से शुरू हुए स्वाधीनता संग्राम से लेकर 1947 तक अनेकों वीरों, क्रान्तिकारियों व वीर माताओं, बहिनों का त्याग व बलिदान शामिल है। इन्हीं सबके प्रयासों के कारण ही आज हम सब गर्व से अपने आपको आजाद भारतवासी कहते हैं।

जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि भारत एक ऐसी भौगोलिक एवं आर्थिक इकाई है जो अनेको विविधताओं में एक सांस्कृतिक एकता को दर्शाता है। जिसे किसी अदृश्य शक्ति ने एक सूत्र में पिरोकर रखा है। भारत एक प्राचीन भूमि है जहां अनेको धर्मो, जातियों, भाषाओं, रीति-रिवाजों वाले लोग रहते हैं। यहां पर पॉच हजार सालों से संस्कृति की एक सतत धारा प्रवाहित हो रही है। यह कुछ अनोखापन ही है जहां ग्रीक, रोमन, मिश्री आदि सभी सभ्यतायें खो सी गयी हैं, वहीं हमारे बहुत से रीति-रिवाज, संस्कार वगैरा, वो ही है जो कि वैदिक काल में थे।

पिछले 52 वर्षों का सफर हमारे राष्ट्र के लिये एक खट्टा-मीठा, मिला -जुला सफर है। अनेकों कठिनाईयों का सामना करते हुए हम आगे बढ़ रहे है। जनतांत्रिक चुनावों से बनी सरकारों तथा पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा अशिक्षा, भूखमरी, बाढ़, सूखा आदि अनेकों समस्याओं का सामना करते हुए आज हम अनाज के मामले में आत्मनिर्भर हैं। हमारे किसान, सैनिक और वैज्ञानिक, विद्यार्थी एवं नागरिक, महिलायें एवं बच्चें सभी 1947 की तुलना में खुशहाल हैं। भारतवासी नागरिक की औसत उम्र 27 वर्ष से बढ़कर 60 वर्ष के करीब हो गयी है। हम राकेट व परमाणु बम बनाते हैं तथा कम्प्यूटर साफ़्टवेयर का निर्यात कर रहे हैं। हमने 1947, 1965, 1971 में पाकिस्तान व चीन से लड़ाईयाँ लड़ी हैं। हाल ही में हमारे द्वारा बढ़ाये गये दोस्ती के हाथ के बदले पाकिस्तान द्वारा कारगिल में की गयी घूसपैठ तथा देश के अनेकों भागों में आतंकवादियों द्वारा की जा रही मार-घाड़, हमारे राष्ट्र के लिये चुनौतियाँ हैं। हमारे वीर सैनिकों ने जिस तरह इस चुनौती का सामना किया है, यह हम सबके लिये गर्व एवं गौरव का विषय है। आइये हम सब मिलकर इस पावन राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मातृभूमि की रक्षा करते हुए प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रंदाजलि दें। हम सब यह प्रण करें कि समाज में सांप्रदायिक सदभाव और भाई-चारे को कायम रखते हुए देश की अखंडता को मजबूती प्रदान करने के लिए मन, वचन, कर्म से कार्य करेंगे।

पिछले 52 वर्षों में हमने जहां अनेकों उपलब्ध्याँ प्राप्त की हैं वहां बहुत कुछ खोया भी है। नैतिक मूल्यों का स्तर बहुत ही नीचा हो गया है। हर जगह मिलावट है हर वस्तु का नकली संस्करण भी बन रहा है। बिजली के उपकरण, वाहनों के कल - पुर्जे, दवाईयां और दूध भी नकली हो गये हैं। चिकित्सक एवं अध्यापक पैसे कमाने में लगे हैं। सरकारी कार्यों में निपुणता की कमी है। सड़के, नहरें, ईमारते, रखरखाव की कमी से प्रभावित हैं। जल का, नदियों या भू-जल में सब जगह प्रदूषण बढ़ रहा है। वायु में प्रदूषण बढ़ रहा है। साँस के रोग, कैंसर जैसे रोग, गुर्दों के फैल होने के केस और सबसे ऊपर एच.आई.वी. पोजिटिव केसिज दिन दूने रात चौगुने बढ़ रहे हैं। दिन दहाड़े लूटपाट व हत्याये हो रही हैं। हर साल चुनाव हो रहे हैं। सैकड़ों पार्टियां बन गयी है। कभी कभी लगता है कि क्या यही वो सपनों का भारत है जिसकी कल्पना गुरू रवीन्द्र नाथ टैगोर ने की थी ? जहां सत्यवादी हरीशचन्द्र जैसे राजा हुए थे। मर्यादा पुरूषोत्तम राम व गीता के प्रणेता कृष्ण हुए थे। क्या यही बुद्ध महावीर, नानक की घरती है ? हम परम पिता से यही प्रार्थना कर सकते है कि हमारे राष्ट्र और हम सभी नागरिकों को सही रास्ते पर चलने की शक्ति दे।

हमारा संस्थान, जल विज्ञान के क्षेत्र में राष्ट्र का अग्रणी संस्थान है। जल प्रबंधन व विकास के क्षेत्र में पिछले 52 वर्षों में राष्ट्र ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं पर भारत की बढ़ती जन संख्या के लिये जल व भूमि के संसाधन सीमित हैं। सन 2015 तक, जनसंख्या बढ़कर 122 करोड़ व पालतु जानवरों की संख्या 60 करोड़ हो जायेगी। इनके लिये 27.5 करोड़ टन अनाज, 108 करोड़ टन मवेशियों के चारा (Fooder) की आवश्यकता होगी। जबकि आज की उपलब्धि 20 करोड़ टन अनाज व 51 करोड़ टन हरा चारा है। ऐसी हालत में यह जरूरी है कि सभी प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ - प्रबन्धन (Sustainable Management) और विशेषकर जल संसाधन विकास व प्रबंधन के लिये लम्बी अवधि की आयोजनाए हों। जल के क्षेत्र में इन चुनौतियों का सामना करने के लिये जलविज्ञान का महत्वपूर्ण स्थान है। मुझे पूरी आशा है कि हमारा संस्थान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। पिछले एक वर्ष में संस्थान ने तकनीकी प्रपत्रों, रिपोर्टों व प्रोजेक्टस के द्वारा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी है। अनेकों कर्मचारियों व वैज्ञानिकों की पदोन्नति हुई हैं। आने वाले वर्ष में हम एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करने जा रहे हैं। जल्दी ही कालोनी के आवासों का आबंटन कार्य भी प्रारंभ हो जायेगा। संस्थान के एवं राष्ट्र के विकास के लिये आवश्यक है कि जहां हम अपने अधिकारों के लिये सजग हो वहां हम अपने कर्त्तव्यों का भी पूरी लगन के साथ पालन करें। अन्त में मै आप सबको एक बार फिर इस पावन राष्ट्रीय पर्व पर बधाई देता हूँ और परमात्मा से यह प्रार्थना करता हूँ कि आज से 15 अगस्त, 2000 के अगले स्वतंत्रता दिवस के दौरान आप सब, आपके परिवारजन स्वस्थ रहें, सुखी रहे व हमारा संस्थान चहुमुखी प्रगति करे व हमारा देश सुख-शान्ति के साथ समृद्धि मार्ग पर निरंतर बढ़ता रहे।

आइये हम सब मिलकर जय हिन्द कहें तीन बार :

जय हिन्द ! जय हिन्द s ! जय हिन्द ss !